धाकड़ समाज का 32वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन

चर्चा में क्यों?

मुख्यमंत्री ने **कोटा** के दशहरा मैदान में **धाकड़ समाज** के 32वें राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित किया।

मुख्य बिंदु

- अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने धाकड़ समाज को देश के **समग्र विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाला** समाज बताते हुए उनके **इतिहास, कठिन परिश्रम, सेवा-भाव** पर प्रकाश डाला।
- श्री धरणीधर भगवान के उपासक धाकड़ समाज अब केवल कृषि कार्यों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उद्यमिता के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बना रहा है।
- मुख्यमंत्री ने अधिवेशन में **किसानों, युवाओं और महिलाओं के उत्थान पर ज़ोर दिया**।
- अधिवेशन में मौजूद **लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला** ने देश को प्रगति की दिशा में आगे बढ़ाने के लिये किसानों की समृद्धि और खुशहाली पर विशेष ज़ोर दिया।

धाकड़ समाज

- धाकड़ समाज मुख्यतः **राजस्थान और मध्य प्रदेश** में एक **हिंदू कृषक क्षत्रिय जाति** है, जिसका उल्लेख कई शिलालेखों में भी मिलता है।
  - ये राजस्थान के **टोंक, बूंदी, कोटा, झालावाड़, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़ और अजमेर** ज़िलों में रहते हैं।
- **'धाकड़' शब्द का अर्थ** है वह जो **किसी से नहीं डरता** बल्कि साहसपूर्वक परिस्थितियों का सामना करता है।
- ये खुद को **बलदाऊजी (भगवान कृष्ण के बड़े भाई बलराम) के वंशज** मानते हैं।
- ये **हिंदी बोलते हैं और देवनागरी का उपयोग** करते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/32nd-national-convention-of-dhakad-samaj